नए समाज के लिए नकारात्मक प्रवृत्तियों को समाप्त करना होगा - अमराराम चौधरी

माउंट आबू, 10 जून। गृहराज्य, कारागार मंत्री अमराराम चौधरी ने कहा है कि समाज में मूल्यों का प्रकाश फैलाने के लिए स्वयं की कमजोर व नकारात्मक प्रवृत्तियों पर आध्यात्मिकता के माध्मय से विजय प्राप्त करनी होगी। वे ब्रह्माकुमारी संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में समाज सेवा प्रभाग के तत्वावधान में सामाजिक समरसता व अध्यात्मिकता विषय पर आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भौतिकता के हो रहे उत्तरोतर प्रसार के बावजूद जब तक आध्यात्मिकता व नैतिकता को जीवन में स्थान नहीं दिया जाता तब तक समाज को नई दिशा प्रदान नहीं की जा सकती। विचारों में सकारात्मक परिवर्तन, हिंसा व द्वेष से मुक्त सुखमय समाज का स्वरूप आध्यात्मिकता से ही निर्मित होगा। श्रेष्ठ समाज की परिकल्पना को साकार करने को परिवारों में भय व असुरक्षा का भाव समाप्त करना होगा।परिवारों में बिखराव, आपसी वैमनस्यता का होता फैलाव, अन्याय व भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए समाज के हित चिंतकों को एकजुट होना होगा।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी ने कहा कि निःस्वार्थ भाव से कर्म करने वाला समाज सेवी ही समाजसेवा के शुभ संकल्प को फलीभूत करने में अहम भूमिका अदा कर सकता है। व्यर्थ चिंतन में समय गंवाने, व्यर्थ में धन गंवाने, व्यर्थ संग में रहने से आत्मिक शक्तियों का ह्रास होता है जिससे दूसरों के प्रति कल्याणकारी भावनाओं को मूर्तरूप नहीं दिया जा सकता।

पालिकाध्यक्ष जालमगिरी ने कहा कि सामाजिक सद्भाव की स्थापना के लिए मैं और मेरेपन की प्रवृत्ति से को समाप्त करने की जरूरत है। महापुरूषों ने अपना संपूर्ण जीवन बलिदान कर दिया आज उसके अस्तित्व को जातिवाद की विघटनकारी प्रवृत्ति से खतरा पैदा हो गया है। ऐसे परिस्थितियों से निपटने के लिए समाजसेवी संगठनों को एकतापूर्वक चुनौतियों का सामना करना होगा।

संस्थान के महासचिव बीके निर्वैर भाई ने कहा कि समाज का परिवर्तन करने को आत्मिक सशक्तिकरण करना जरूरी है। सर्मपण भाव से की गई सेवा ही समाज को नया स्वरूप दे सकेगी।

प्रभाग की अध्यक्ष राजयोगिनी संतोष बहन ने कहा कि समाजसेवी का सेवाभाव संकीर्णता के दायरे से मुक्त होना चाहिए। आध्यात्मिकता द्वारा समाजसेवियों को यह दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलेगी।

प्रभाग उपाध्यक्ष बीके अमीरचंद ने कहा कि मानव सृष्टि का श्रृंगार है लेकिन मानव का श्रृंगार नैतिक मूल्य हैं। मूल्यों को विकसित करने के लिए आध्यात्मिकता का जीवन में समावेश करना अति आवश्यक है। दूसरो के लिए जीना ही सच्ची समाज सेवा है।

इस अवसर पर प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके प्रेमभाई, मुख्यालय संयोजक बी के अवतार, मुंबई की क्षेत्रीय संयोजक ब्रह्माकुमारी वंदना बहन ने भी विचार व्यक्त किए।

फोटो केप्शन - माउंट आबू। ज्ञान सरोवर में आयोजित समाजसेवियों को संबोधित करते गृहराज्य, कारागार मंत्री अमराराम चौधरी।